खण्ड 'स'

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द-सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2x16=32

10. 'जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं' इस कथन के आलोक में प्रसाद जी के काव्य की मूल विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

11. सौन्दर्य और प्रकृति-चित्रण की दृष्टि से महादेवी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

12. नागार्जुन के काव्य में अनुभूति एवं अभिव्यक्ति-पक्ष का विवेचन कीजिए।

13. आधुनिक हिन्दी कविता के स्वरूप और विकास पर प्रकाश डालिए।

MAHD-02

June - Examination 2015

एम.ए. पूर्वार्द्ध

आधुनिक काव्य

MAHD-02

Time : Three Hours] *[Max. Marks : 80*

निर्देशः यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, खण्ड, ब और खण्ड स में विभाजित है। खण्ड अ अति लघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तारात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड 'अ'

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 8x2=16

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) 'साकेत' महाकाव्य का वर्ण्य-विषय बताइए।

(ii) 'भारत-भारती' किस वर्ष प्रकाशित हुई?

(iii) निराला की प्रगतिवादी रचना का क्या नाम है?

(iv) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कविता किस संग्रह में संकलित है?

(v) सुमित्रानंदन पन्त को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति पर मिला है?

(vi) 'रश्मिरथी' किसके जीवन पर केन्द्रित है?

(vii) बच्चन को किस काव्य-धारा का प्रवर्तक कहा गया है?

(viii) 'बादल को घिरते देखा है' कविता का मूल भाव लिखिए।

खण्ड 'ब'

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द-सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 4x8=32

2. सुमित्रानंदन पंत के प्रकृति-चित्रण पर विचार कीजिए।

3. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी
निज जन्म-जन्म में सुने जीव यह मेरा
धिक्कार उसे था महास्वार्थ ने घेरा।
सौ बार धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई
सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।

4. 'कुरुक्षेत्र युद्ध की समस्या के समाधान का ग्रंथ है' स्पष्ट कीजिए।

5. निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

जो तुम आ जाते एक बार
कितनी करुणा कितने संदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग
गाता प्राणों का तार-तार
अनुराग भरा उन्माद राग
आंसू लेते वे पद पखार
हंस उठते पल में आर्द्र नयन
धुल जाता ओठों से विषाद
छा जाता जीवन में बसंत
लुट जाता चिर सञ्चित विराग
आंखें देती सर्वस्व वार।

6. 'असाध्य वीणा' कविता का सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

7. नागार्जुन-काव्य के अनुभूति के विविध स्तरों की विवेचना कीजिए।

8. निराला कविता की सांस्कृतिक भाव-भूमि को स्पष्ट कीजिए।

9. हरिवंश राय बच्चन के साहित्यिक परिवेश पर विचार कीजिए।